vedanta
transforming for good
HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India
सुनहरी धरती पे
चमकते सपने
पधारो सा!

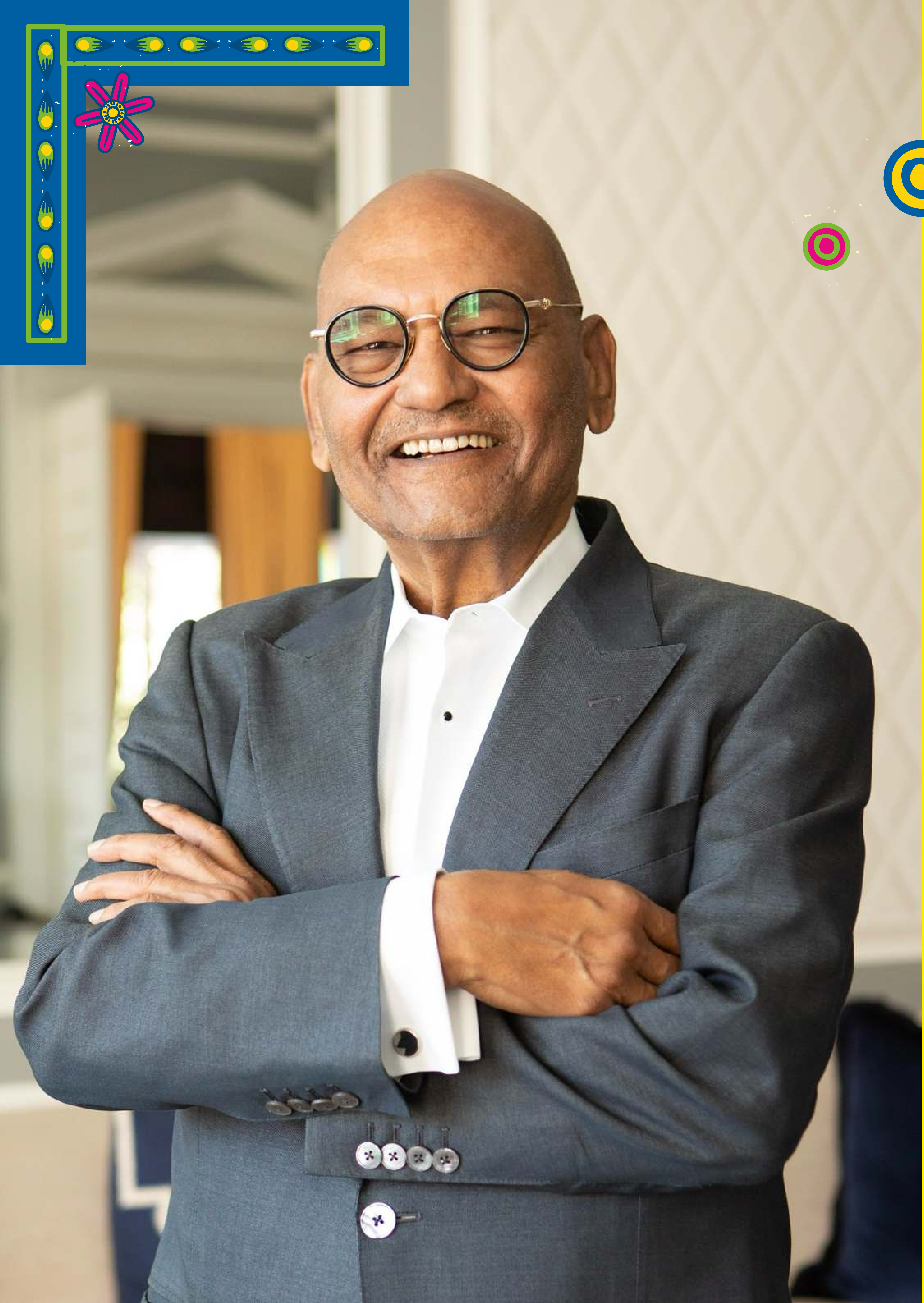

सपने और संभावनाएं

एक समय की बात है, अनिल अग्रवाल नाम के एक व्यक्ति खनिज से संपन्न प्रदेश राजस्थान में आए। उन्हें इस वीरों की धरती पर अपने सपनो को साकार करने की संभावनाएं नजर आयी। शुरू से ही दूर तक देखने की सोच से अनिल ने यहां वो देखा जो दूसरे नहीं देख पाए। वो था इस गौरवशाली धरती में भीतर तक छिपा खजाना जिसके मिलने से न सिर्फ राजस्थान बल्कि देश के आत्मनिर्भर बनने का रास्ता भी खुल सकता था। तब उन्होंने अपनी प्यारी मां वेदवती के नाम पर वेदांता कंपनी की शुरूआत की।

साकार होते सपने

साल 2002 में अनिल ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया और एक ऐसे क्षेत्र में निवेश किया जिसे कई लोगों ने छोड़ दिया था। यह निवेश आज दुनिया में प्रख्यात हिन्दुस्तान ज़िंक था जो खनन क्षेत्र में भारत को नई ऊंचाईयों पर ले जा रहा है। 2011 में उनकी कंपनी, वेदांता ने भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए केयर्न ऑयल एंड गैस का अधिग्रहण किया।

प्रतिभा और तकनीक का बना संगम

उन्होंने दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं और तकनीक को हिंदुस्तान ज़िंक में अपनाया जिससे यह दुनिया की दूसरी बड़ी एकीकृत ज़िंक और तीसरी सबसे बड़ी चांदी बनाने वाली कंपनी बन गयी। केयर्न ऑयल एंड गैस जल्द ही भारत के 20 प्रतिशत कच्चे तेल का उत्पादन कर रहा है, जो उद्योगों, परिवहन और घरों की ताकत है।

मरुस्थल की मिट्टी में चांदी की चमक

जैसे-जैसे समय के साथ-साथ आगे बढ़ा राजस्थान के बाड़मेर में ऊर्जा का उजाला फैला और प्रदेश के गौरव चित्तोडगढ़ के चंदेरिया में जगमगाते संयंत्र और समुदाय की उन्नति भी होती गयी। मरूस्थल की मिट्टी के बजाय अब प्रदेश सम्पदा और सस्टेनेबिलिटी के नवाचार से एवं चांदी की चमक से जगमगा रहा है।

वेदांता बना राजस्थान के राजस्व का खजाना

समय के साथ-साथ वेदांता की सफलता ने राजस्थान को विकसित राज्य बनने के लिये आगे बढ़ने में सहायता की। राज्य के खजाने में 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के योगदान से इस गौरव और प्रतापी प्रदेश में सुनहरी धरती बाड़मेर और झीलों की नगरी उदयपुर में आर्थिक संपन्नता दिखने लगी।

युवाओं के लिये खुले रोजगार के द्वार

अनिल अग्रवाल के सपने न सिर्फ समृद्धि लाये बल्कि उम्मीद भी लाये। लाखों रोजगार के अवसरों ने यहां के लोगो को भी सपनों को पूरा करने और उज्जवल भविष्य के लिये मजबूत नींव दी। राजस्थान इस तरह धीरे - धीरे 'अमेज़िंग' अवसरों की धरती बन गया।

नारी शक्ति का नया रूप

वेदांता ने महिलाओं को पुरूषों के समान ही कंधे से कंधा मिला कर कार्य करने के लिये अवसर दिये है। वर्ष 2019 में महिलाओं के लिए भूमिगत खदानों में कार्य करने की अनुमति मिली तो हिन्दुस्तान ज़िंक ने इस दिशा में पहल की। कंपनी ने देश की पहली महिला भूमिगत खनन इंजीनियर की टीम को नियुक्त किया। जिसे आज देश की पहली भूमिगत महिला खदान बचाव टीम का गौरव हांसिल है। आज, वेदांता दुनिया में कहीं भी धातु खनन, तेल एवं गैस के क्षेत्र में कार्यरत सबसे अधिक महिलाओं वाली कंपनी में से एक है।

नन्हें बच्चों को बेहतर शिक्षा का उपहार

समुदाय को पुनः लौटाने का संकल्प लेने वाले अनिल अग्रवाल ने आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के निर्माण की जिम्मेदारी भी हमेशा निभायी। वेदांता ने प्रदेश में 3 हजार से अधिक आंगनवाड़ियों को नंदघर का रूप दे कर गांव के बच्चों के सपनो को पुरा करने और उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग खोला। इसमें महत्वपूर्ण प्रयास था इन नन्हें बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और इनके चेहरों पर मुस्कान का।

समुदाय के जीवन में आया बदलाव

वेदांता की सफलता धातुओं और खनिजों से कहीं आगे है। लोगो की देखभाल और उनकी सहायता के लिये भी समूह ने राजस्थान में संचालित कंपनियों के समान ही निवेश किया। 2002 से अब तक कंपनी ने सामाजिक सरोकार में 2 हजार 500 करोड से अधिक खर्च किये है। स्कूलों, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छ पेयजल, महिला सशक्तिकरण, खेल और संस्कृति के माध्यम से 4 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को बदला है।

संपन्नता और सस्टेनेबिलिटी साथ-साथ

वेदांता का सपना सिर्फ धन-संपत्ति नहीं था, इस धरती की पूरी देखभाल के बारे में भी था। हिंदुस्तान ज़िंक विश्व की सबसे सस्टेनेबल धातु और खनन कंपनी बन गई, जिसने साबित कर दिया कि विकास और सतत विकास एक साथ चलते हैं। राजस्थान अब ग्रीन एनर्जी से संचालन को सशक्त बनाते हुए पर्यावरण संरक्षण का भी बड़ा उदाहरण है।

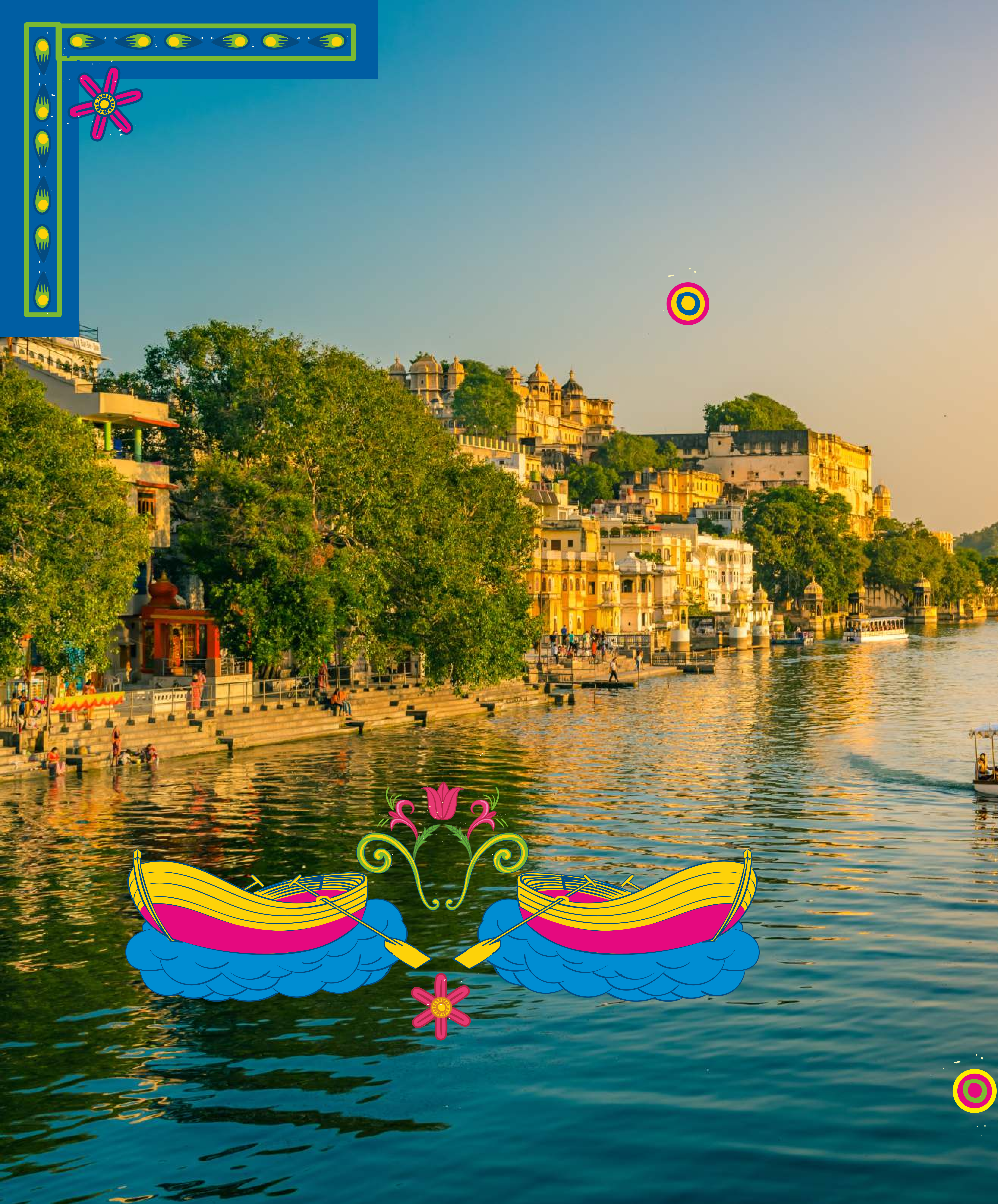

विकास की पहल का प्रमुख हिस्सा पानी का पुन: उपयोग

राजस्थान में हिंदुस्तान ज़िंक और केयर्न दोनों ने पानी के पुन:उपयोग की शुरूआत की। इन कंपनियों में उत्पादन के लिये इस्तेमाल किये जाने वाले पानी को रीसायकल, कंजर्वेशन और हार्वेस्टिंग सिस्टम से वाटर पॉजिटिव कंपनी बना दिया। ज़िंक सिटी उदयपुर के पानी और यहां की झीलों का सरंक्षण इस क्षेत्र में पहल की सफलता का उदाहरण है।

मंजिलें अभी और भी है

जैसे-जैसे राजस्थान आगे बढ़ा, वेदांता के सपने और भी बड़े हो गए। वेदांता ने हाल ही में राज्य में 1 लाख करोड़ रुपये के नए निवेश की घोषणा की है। इनमें ज़िंक उत्पादन को दोगुना करने, चांदी के उत्पादन को बढ़ाने, ऊर्जा सुरक्षा के लिए उर्वरकों का उत्पादन करने, तेल एवं गैस उत्पादन को दोगुना से भी अधिक करने और अधिक अक्षय ऊर्जा बनाने की योजना है।

असंभव में संभावनाओं की तलाश

अनिल अग्रवाल का वेदांता समूह असंभव में संभावनाएं तलाश कर उन्हें पूरा करने में विश्वास करता है। उन्होंने रेगिस्तान में समृद्धि और संपन्नता का सपना देखा तो उसे हकीकत में बदला भी हैं। इस सफलता के लिये अनिल ने हर चुनौती को स्वीकारा जिसमें साथ दिया राजस्थान के साहसी जनमानस ने।

आशा, समृद्धि और स्थिरता का प्रतीक

आज, वेदांता और राजस्थान दृढ़ इच्छा और कार्यशक्ति का उदाहरण है। साहस, संस्कृति और समर्पण की धरती से यह एक ऐसी कंपनी की सफलता की कहानी है जिसने इसे आशा, समृद्धि और स्थिरता के प्रतीक में बदल दिया।

अनिल अग्रवाल
चेयरमैन–वेदांता समूह

"राजस्थान उन कुछ राज्यों में से एक है, जहाँ हाइड्रोकार्बन और ज़िंक, लेड, सिल्वर, गोल्ड, कॉपर, पोटाश, रॉक फॉस्फेट, संगमरमर, विभिन्न प्रकार के उच्च गुणवत्ता वाले पत्थर और अन्य जैसे कई महत्वपूर्ण खनिज हैं। हिंदुस्तान ज़िंक और केयर्न इन खनिजों में से प्रत्येक में एक्सप्लोरेशन प्रयासों का नेतृत्व करेंगे, निवेश प्रदान करते हुए मैन्यूफेक्चरिंग और प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित करेंगे, स्मेल्टर बनाएंगे और शेल गैस की रिकवरिंग करेंगे। हम राज्य सरकार के साथ मिलकर आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और क्षेत्र में जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कार्य कर गौरवान्वित है।"

HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India

HINDUSTAN ZINC LIMITED

www.hzlindia.com

LinkedIn: Hindustan Zinc | **Instagram:** hindustan_zinc
Facebook: **Hindustan Zinc Limited** | **Twitter:** Hindustan_Zinc

To order your copy, please write to us at:
HZLCommunications@vedanta.co.in

© [2024] [Hindustan Zinc Limited]. All rights reserved.

The content of this book, including but not limited to text, images, logos, graphics, and other materials, is protected by copyright law and is the exclusive property of Hindustan Zinc Limited. Unauthorized use, reproduction, distribution, or modification of any part of this book in any form or manner is prohibited.

Cover images from Freepik